वार्तालाप-576 नागपुर-1, दिनांक 29.05.08
Disc.CD No.576, dated 29.5.08 at Nagpur-I
Extracts-Part-1

समयः 00.05-01.02

जिज्ञासुः मेरे प्यारे शिवबाबा, लाडले शिवबाबा, आप जब माउंट आबू साकार परमधाम में जायेंगे, तो आपके साथ पहले-पहले जाकर सुखधाम में जल्दी आना है। इसके लिए हमें क्या करना चाहिए?

बाबाः पवित्र रहना है। नहीं तो विजयमाला का नंबर पहले लग जावेगा। जन्म-जन्मांतर के संस्कार रुद्रमाला के मणकों में हैं जो जन्म-जन्मांतर की राजा बनने वाली आत्माएं हैं या विजयमाला के मणकों में हैं, पवित्र रहने के संस्कार? (सबने कहा – विजयमाला।) तो परमधाम कौन पहले जावेंगे बाप के साथ?

Time: 00.05.01.12

Student: My dear Shivbaba, my beloved Shivbaba, when you go to Mount Abu, the corporeal Supreme Abode, we have to go with you first of all and come back soon to the abode of happiness . For this what should we do?

Baba: You have to remain pure. Otherwise, the *Vijaymala* (rosary of victory) will get the number ahead [of you]. Do the beads of the *Rudramala* (rosary of Rudra), which are the souls that become kings for many births or the *Vijaymala* have the *sanskars* to remain pure for many births? (Everyone said: the *Vijaymala*.) So, who will go to the Supreme Abode first with the Father?

समयः 02.10-03.01

जिज्ञासुः बाबा कहते हैं कि कोई भी आत्मा पवित्र बने बिगर परमधाम वापस नहीं जा सकती। और दूसरी ओर कहते हैं इस दुनियां में पूरे पवित्र आत्मा बहुत थोड़ी सी बनती हैं। तो फिर सभी आत्माएं अपवित्र की अपवित्र ही रह जाती हैं। तो वह आत्मायें परमधाम में वापस कैसे जा सकती हैं?

बाबाः ...धर्मराज किसलिए बैठा है? मार-मार के देहअभिमान, हड्डियाँ तोड़ देगा। देह अभिमान देह में ही होता है। हड्डियों में होता है, चमड़ी में होता है, मांस में होता है। उधेड़ देगा। तो क्या रह जाएगी? आत्मा रह जाएगी। तो चली जाएगी परमधाम। अच्छा, भूल गए धर्मराज बिल्कुल।

Time: 02.10-03.01

Student: Baba says that no soul can go back to the Supreme Abode without becoming pure. And on the other hand He says that very few souls become completely pure souls in this world. So, all the souls remain just impure. So, how will those souls return to the Supreme Abode?

Email id: a1spiritual@sify.com
Website: www.pbks.info

Baba: .....What is Dharmaraj [here] for? He will beat and break body consciousness, bones. Body consciousness is in the body itself. It is in the bones, in the skin, in the flesh. He will peel that off. Then what will remain? The soul will remain. It will return to the Supreme Abode. *Accha*, you forgot Dharmaraj completely☺.

समयः 03.07-03.50

जिज्ञासुः माताओं, कन्याओं में देहभान ज्यादा होता है, देह का ओना ज्यादा होता है। और फिर इधर पुरुषों को देहभानी सांड भी कहा है। तो किसमें ज्यादा देहभान है?

बाबाः पुरुषों को देहभानी सांड नहीं कहा है। पुरुषों को कहा है कि पुरुषों में दुर्योधन-दुःशासन वृत्ति ज्यादा होती है काम विकार के कारण । कन्याओं माताओं के लिए ऐसे नहीं कहा जा सकता कि उनमें काम विकार होता है सबमें। कोई-कोई सूपनखा, पूतना होती हैं। काम विकार अलग बात है। काम और क्रोध और देहभान अलग बात है।

Time: 03.07-03.50

Student: Mothers and virgins have more body consciousness. And then the men have also been called body conscious bulls. So, who has more body consciousness?

Baba: Men have not been called body conscious bulls. It has been said about men that they have the nature of Duryodhan and Dushasan due to the vice of lust. It cannot be said for the virgins and mothers that all of them have the vice of lust. Some of them are Soopankha, Pootna (villainous female characters from the Hindu mythology). The topic of the vice of lust is different. The topic of lust and anger [is different] and body consciousness is a different thing.

समयः 03.55-08.00

जिज्ञासुः राधा चन्द्रवंशी है और कृष्ण सूर्यवंशी है। कहते हैं राधा और कृष्ण भाई-बहन हैं। एक ही घर में जन्म लेते हैं।

बाबाः राधा और कृष्ण एक साथ जन्म लेते हैं? वो तो सतयुग में जन्म लेते हैं। वहाँ दो वंश होते हैं क्या? चन्द्रवंश और सूर्यवंश द्वैतवाद सतयुग में भी होगा क्या? सूर्यवंश ही होगा या चन्द्रवंश भी होगा? सतयुग में कौनसा वंश होता है? सूर्यवंश ही होता है। जो भक्तिमार्ग में राधा और कृष्ण की बात आई है, वो कहाँ की यादगार है?

दूसरा जिज्ञासुः संगम की।

बाबाः संगमयुग की यादगार है। सतयुग की कोई यादगार नहीं है। संगमयुग में राधा चन्द्रवंश की। जरूर यहाँ कोई चन्द्रमां रहा होगा। चन्द्रमां के रूप में पार्ट बजाने वाली आत्मा रही होगी। जरूर कोई ज्ञान सूर्य का पार्ट बजाने वाला रहा होगा। सूर्य के बच्चे सूर्यवंशी। चन्द्रमां के वंशज चन्द्रवंशी। चन्द्रमां के वंश में राधा होती है, जो चन्द्रमां को फॉलो करती है। सूर्यवंश में कृष्ण होता है, जो सूर्य को फॉलो करता है। सूर्य को फॉलो

Email id: a1spiritual@sify.com
Website: www.pbks.info

करने वालों को सूर्यवंशी, ज्ञान चन्द्रमां ब्रह्मा को फॉलो करने वालों को चन्द्रवंशी राधा कहा गया। यहाँ दो-दो वंश होते हैं। सतयुग में दो वंशों की बात नहीं है।

Time: 03.55-08.00
Student: Radha is *Chandravanshi* (from the Moon dynast) and Krishna is *Suryavanshi* (from the Sun dynasty). It is said both Radha and Krishna are brother and sisters among themselves. They are born in the same house.
Baba: Are Radha and Krishna born together? They are born [together] in the Golden Age. Are there two dynasties there? Will the dualism of Moon dynasty and Sun dynasty exist in the Golden Age as well? Will there be only the Sun dynasty or will there be the Moon dynasty as well? Which dynasty exists in the Golden Age? There is only the Sun dynasty. The subject of Radha and Krishna mentioned in the path of *bhakti* is a memorial of which time?
Another Student: The Confluence Age.
Baba: It is a memorial of the Confluence Age. There is no memorial of the Golden Age. Radha belongs to the Moon dynasty in the Confluence Age. Definitely there must have been a Moon here. There must have been a soul that played a part in the form of Moon. Certainly there must have been someone playing the part of the Sun of knowledge. The children of the Sun belong to the Sun dynasty. The descendants of the Moon are of the Moon dynasty. Radha exists in the dynasty of the Moon, she follows the Moon. Krishna exists in the Sun dynasty, he follows the Sun. Those who follow the Sun are called *Suryavanshi* and the one who follows the Moon of knowledge Brahma is called *Chandravanshi,* Radha. There are two dynasties here. There is no topic of two dynasties in the Golden Age.

दूसरा जिज्ञासुः बाबा, जो जोड़ी है वो एक ही माँ बाप से जन्म लेंगे सतयुग में?
बाबाः सतयुग में जो जन्म लेंगे एक माँ-बाप के गर्भ से, वो आजीवन विधवा, विधुर हो करके तो नहीं रहेंगे। वो तो प्रवृत्तिमार्ग के पक्के होते हैं। इतना संस्कार मिल करके आपस में एक हो जावेंगे कि साथ ही साथ 21 जन्म तक जन्म लेंगे और साथ ही साथ शरीर छोड़ेंगे। द्वैतवादी दुनियां के लौकिक बाप एक जन्म के लिए सगाई करते हैं। वो भी सुखी रहे या न रहे, कोई पक्का नहीं और बेहद का बाप? कितने जन्म की सगाई पक्की करते हैं? 21 जन्म की सगाई पक्की कर देते हैं। जो वहाँ विधुर और विधवा बनेंगे ही नहीं। साथ ही साथ जन्म लेना और साथ ही साथ शरीर छोड़ना। इतना संस्कार मिलकरके एक हो जावेंगे।
जिज्ञासुः बाबाजी, लेकिन जो पहले जन्म में जो जोड़े रहेंगे तो 21 जन्म वो ही रहेंगे साथ में?
बाबाः इसमें शक आ रहा है क्या? संस्कार मिल करके एक नहीं होंगे? संस्कार सतयुग-त्रेता में भी टकराते रहेंगे क्या? राधा-कृष्ण के चेहरे, लक्ष्मी-नारायण के चित्र में देखो, एक

Email id: a1spiritual@sify.com
Website: www.pbks.info

जैसे चेहरे हैं या अलग-अलग हैं? चेहरे भी एक जैसे । जैसे आज की दुनियां में भी जुड़वां बच्चे पैदा होते हैं तो उनके चेहरे मोहरे एक जैसे होते हैं।

Another Student: Baba will the twins be born from the same parents in the Golden Age?
Baba: In the Golden Age, those who are born from the womb of the same parents will not lead the life of a widow (*vidhwa*) or a widower (*vidhur*) throughout their life. They firmly belong to the path of household. Their *sanskars* will match and become one to such an extent that they will be born together for 21 births and will leave their bodies together. The *lokik* fathers of the dualistic world fix the engagement (of their children) for one birth. Even in that case there is no guarantee whether they will remain happy or not; and what about the unlimited Father? For how many births does He fix our engagement? He fixes our engagement for 21 births so that we will not become widows or widowers there at all. We will be born together and leave the bodies together. The *sanskars* will match become one to such extent.
Student: Baba*ji*, but will the couples of the first birth live together for 21 births?
Baba: Are you having doubts? Will their *sanskars* not match and become one? Will the *sanskars* continue to clash in the Golden and Silver Ages as well? Look at the faces of Radha and Krishna in the picture of Lakshmi - Narayan. Are they similar or different? The faces are also similar. For example, even in today's world when twins are born their faces are similar.

समयः 08.14-09.35

जिज्ञासुः अभी इधर-उधर राम का ही नाम होता है।

बाबाः क्यों? हर जगह चारों ओर गीता का भगवान कृष्ण ही कृष्ण होता है।

जिज्ञासुः और राम के नाम से ही दान दिया जाता है। अगर किसी की मृत्यु हुई है....

बाबाः कृष्णार्पणम नहीं करते हैं? कृष्णार्पणम भी करते हैं कृष्ण के भक्त।

जिज्ञासुः लेकिन ज्यादा करके राम के नाम से करते हैं।

बाबाः अच्छा। चलो तुम्हारी बात मान लेते हैं।

जिज्ञासुः और किसी की मृत्यु हो गई है तो जाते हुए राम का नाम लेते हैं। लेकिन लौटते समय राम का नाम नहीं लिया जाता है। क्यों?

बाबाः जब सतयुग में आवेंगे नई दुनियां में तो भगवान याद आवेगा क्या? नहीं। जब जावेंगे ये दुनियां छोड़करके, उस समय सभी को भगवान ही भगवान याद आवेगा। कहाँ की यादगार? (जिज्ञासु – संगम की।) शमशानघाट है जैसे कि परमधाम, शान्ति ही शान्ति लगी पड़ी है। इसलिए शिव शंकर भोलेनाथ के मंदिर जास्ती कहाँ होती हैं? शमशानघाट में। वहाँ जाते हैं मरने के समय। मरते हैं तो वहाँ जाते हैं। जब परमधाम से लौटते हैं तो कोई फिर भगवान को याद (नहीं करता)। बाबा भी कहते है तुम बच्चे जब स्वर्ग में जावेंगे तो मेरे को याद भी नहीं करेंगे।

Email id: a1spiritual@sify.com
Website: www.pbks.info

Time: 08.14-09.35
Student: Now, only Ram is famous everywhere.
Baba: Why? Only Krishna is famous as the God of the Gita everywhere.
Student: And every donation is given only in the name of Ram. If anyone dies…
Baba: Don't people do *Krishnarpanam* (offerings in the name of Krishna)? The devotees of Krishna do *Krishnarpanam* as well.
Student: But mostly they make [donation] in the name of Ram.
Baba: OK, we accept your words☺.
Student: And if anyone dies, people utter the name of Ram while going (to the cremation grounds with the dead body). But they do not utter his name while returning (from there). Why?
Baba: When you come to the Golden Age, to the new world, will you remember God? Will you remember Him? No. When you leave this world go, everyone will remember only God. It is a memorial of which time? (Student: The Confluence Age.) The cremation ground is like the Supreme Abode; where there is peace and only peace. This is why, where are the temples of Shiva Shankar Bholenath built more? In the cremation ground. People go there at the time of death (of someone). They go there when someone dies. When you return from the Supreme Abode, nobody remembers God. Baba too says: When you children go to heaven, you will not even remember Me. … (to be continued.)

Extracts-Part-2

समयः 09.40-12.03

जिज्ञासुः बाबा, शिव शंकर, परमपिता परमात्मा और बाप दादा में हमेशा ऊँच को आगे रखा गया है। पतित पावन में पतित को आगे क्यों और पावन को पीछे क्यों?

बाबाः पतित के बगैर पावन किसे बनावेंगे? अगर पतित ही नहीं होगा तो पावन किसको बनावेंगे? और साधारण पतित मिल जावेगा तो दुनियां पावन बन जावेगी? नंबर 2 का, नंबर 3, 4, 5 का , आखरी नंबर का पतित होगा, वो अगर मिल जावे पावन बनाने के लिए तो उससे दुनियां पावन बनेगी या नंबर 1 पतित मिलेगा तब ही पावन बनेगी? 100% पतित चाहिए और 100% पावन चाहिए। बेहद का पतित चाहिए और बेहद का पावन चाहिए। दोनों का मेल चाहिए। 100% भोगी चाहिए और 100% योगी चाहिए। तो सदा योगी कौन है? इस दुनियां की कोई मनुष्यात्मा तो सदा योगी हो ही नहीं सकती। सदा शिव तो एक शिवबाबा ही है। ये संसार रूपी वृक्ष में दो ही आत्माएं ऐसी गिनी जाती है, जो एक परमभोगी है और एक परमयोगी है। इसके लिए वेदों में जो मुख्य वेद है ऋगवेद, उसमें पहले ही पहले ये ऋचाएं आई हैं: द्वा सुपर्णा सुयजा सुखाया समानं वृक्षम अभिषस्वजाते। ये संसार रूपी वृक्ष है। इस वृक्ष पर दो पक्षी विशेष विराजमान हैं। एक पक्षी महाभोगी है और एक पक्षी महायोगी है। कहाँ की यादगार? इस संगमयुग की यादगार है।

Email id: a1spiritual@sify.com
Website: www.pbks.info

Time: 09.40-12.03
Student: Baba, in case of Shiva-Shankar, *Parampita* (Supreme Father) *Parmatma* (Supreme Soul) and Bap-dada, the highest one is always placed ahead. But in the case of *Patit-paavan* (Purifier of the sinful ones) why is the sinful one (*patit*) placed ahead and the pure one (*paavan*) placed later on?
Baba: How will He make anyone pure without there being sinful ones? If someone is not sinful at all, then whom will He make pure? And will the world become pure if He finds an ordinarily sinful one? If He gets the number 2, number 3, 4, 5, the last number sinful soul to purify, then will the world become pure through him or will the world become pure if He gets the number one sinful person? There should be a 100% sinful one and a 100% pure one. There should be an unlimited sinful one and an unlimited pure one. A combination of both is required. There should be a 100% *bhogi* (pleasure seeker) and a 100% *yogi*. So, who is forever a *yogi*? No human soul of this world can be a *yogi* forever. Shivbaba alone is forever benevolent (*Sadaa* Shiva). In this tree like world only two souls are counted as *Parambhogi* (the one who seeks pleasure the most) and *Paramyogi* (the one who is the greatest *yogi*). For this, in the main Veda among the Vedas, i.e. the Rigveda, these *ricas* (verse) have been mentioned in the very beginning: *Dwa suparna suyaja sukhaya samaanam vriksham abhishaswajate*. This is a tree like world. On this tree two special birds are seated. One bird is *mahabhogi* (the one who seeks pleasure the most) and the other bird is *mahayogi* (the one who is the greatest *yogi*). It is a memorial of which place? It is a memorial of the Confluence Age.

समयः 12.30-13.05
जिज्ञासुः बाबा ने मुरली में बोला है जब विनाश होगा, सात दिन बारिश ऐसी गिरेगी कि वहाँ सिर्फ बर्फ होगा और माउंट आबू पर्वत पर ही होगा।
बाबाः क्या? माउंट आबू में ही बरसात होगी?
जिज्ञासुः और वहां जो बीजरूप आत्मायें है उनकी आत्माएं तो निकल जाएगी और शरीर तो बर्फ में रहेगा। उनके शरीर बर्फ में गड़े रहेंगे और बाद में अपने नंबरवार उसी शरीर में बाद में आकर सतयुग में देवी-देवता बनेंगे।
बाबाः तो?
जिज्ञासुः और बाकी जिनके शरीर रहेंगे और वो तो गड़ेंगे नहीं, ...
बाबाः यहीं सड़-सड़ा के बराबर हो जाएंगे। जो योगी शरीर होंगे वो ही तो बर्फ में दबेंगे। जो भोगी होंगे वो सड़ करके खत्म हो जाएंगे या बने रहेंगे? वो तो खलास हो जावेंगे।

Time: 12.30-13.05
Student: Baba has said in the murli that when destruction takes place, there will be so much rainfall for seven days that there will be only ice there; and it will be only in Mount Abu.
Baba: What? Will there be rainfall only in Mount Abu?

Email id: a1spiritual@sify.com
Website: www.pbks.info

Student: At that time the souls of the seed form souls will depart and the body will remain in ice. Their bodies will be buried in ice and later on they will enter in the same bodies number wise (according to their rank) and then go to the Golden Age and become deities.
Baba: So?
Student: And the bodies of the remaining souls will not be buried (under ice)...
Baba: They will rot and perish here itself. Only the *yogi* bodies will be buried in ice. Will the *bhogis* (pleasure seekers) rot and perish or will they survive? They will perish.

समयः 13.08-14.04

जिज्ञासुः जब (कोई) शरीर छोड़ते हैं और अस्थि ले जाते हैं जलाने के लिए तो ब्राह्मण और .... जाति में राम नाम सत्य है....

बाबाः अभी तो भाई ने पूछा। वो ही तो बात है।

जिज्ञासुः नहीं, ये लौकिक की बात है।

बाबाः लौकिक की ही बात, जो भक्तिमार्ग में चलती है वो कहाँ की यादगार है? संगमयुग की यादगार है। जब सब आत्माएं परमधाम जावेंगी, अंतिम समय सबका होगा तो सबके मुख से क्या निकलेगा? राम नाम सत्य है। कृष्ण नाम सत्य नहीं निकलेगा। वो तो रचना है। रचयिता याद आवेगा या रचना याद आवेगी? रचना एक है या अनेक है? रचनाएं तो अनेक हैं नंबरवार और रचयिता एक ही है। वो रचयिता बाप राम ही याद आवेगा।

Time: 13.08-14.04
Student: When someone leaves his body, and when the body is taken for cremation, those of the Brahmin and ... castes say: '*Ram naam satya hai*'...
Baba: Just now a brother asked about it. It is the same thing.
Student: No, it is about the *lokik* [world].
Baba: Yes, the *lokik* tradition, which is prevalent in the path of *bhakti*, is a memorial of when? It is a memorial of the Confluence Age. When all the souls go to the Supreme Abode, when it is the last time for everyone, then what will come out from everybody's mouth? *Ram naam satya hai* (the name of Ram is true). It will not come out [of the mouth] *Krishna naam satya hai* (the name of Krishna is true). He is the creation. Will they remember the Creator or the creation? Is the creation one or many? Creations are many number wise. And the Creator is only one. That Creator Father Ram alone will come to the mind.

समयः 14.08-15.30

जिज्ञासुः बाबा, पार्वती के पिता का नाम हिमालय रखा है। आबू पर्वत या विंध्याचल पर्वत क्यों नहीं रखा?

Email id: a1spiritual@sify.com
Website: www.pbks.info

बाबाः आबू पर्वत नाम इसलिए रखा गया है कि दुनियां की जितनी भी बदबू वाली आत्माएं हैं, पतित आत्माएं, उन सबको वहाँ आकरके इकट्ठा होना पड़े और हिमालय पहाड़ इसलिए नाम रखा गया है कि वो हिम। हिम माना बर्फ। आलय माना घर। जो बर्फ का घर है। क्या? उसमें गर्मी नहीं है। क्या? दिमाग में जब ज्यादा गर्मी होती है तो संकल्प ज्यादा चलते हैं या जब ठण्डा दिमाग होता है तो संकल्प ज्यादा चलते हैं? (जब) ज्यादा गर्मी होती है । इसलिए दादा लेखराज ब्रह्मा का दिमाग जो है, इतनी मुरलियाँ चलाई गईं, तो भी दिमाग कैसा बना रहा? ठण्डा। बर्फ के मुआफिक। इसलिए उनका टाइटिल दिया गया हिमालय। हिमालय की पुत्री का नाम? पार्वती।

Time: 14.08-15.30
Student: Baba, Parvati's father has been named Himalaya. Why wasn't he named Mount Abu or Mount Vindhyacal?
Baba: The name Mount Abu has been coined because all the souls with *badboo* (odour), the sinful souls will have to come and gather there. And the name Himalaya has been coined because... '*him'* means ice, '*aalay*' means house. The one who is a house of ice. What? There is no heat in him. What? Are more thoughts created when the brain is very hot or are more thoughts created when the brain is cool? It is when it is hotter. This is why, despite narration of so many murlis how was the intellect of Dada Lekhraj Brahma? Cool, like ice. This is why he was given a title Himalaya. What is the name of Himalaya's daughter? Parvati. ... (to be continued.)

Extracts-Part-3

समयः 15.29-17.37

जिज्ञासुः बाबा, मैं बेसिक में थी तो मुरली में सुना – अप्राप्त नहीं कोई वस्तु ब्राह्मणों के खज़ाने में।

बाबाः ठीक है।

जिज्ञासुः इसका क्या अर्थ हुआ?

बाबाः इसका ये ही अर्थ है – अगर ब्राह्मण, पक्का ब्राह्मण बन करके चले, 100% श्रीमत को पालन कर करके चले, तो हेविनली गॉड फादर का बच्चा हेविन में होना चाहिए या नरक में होना चाहिए? (सभी-हेविन में।) इसका मतलब अगर कुछ बातों की अप्राप्ति है, अनुभव होती है, तो बाप का बच्चा बना है? नहीं बना है। श्रीमत का उल्लंघन करता है। करोड़पति का बच्चा हो, अरबपति का बच्चा हो और पैसे-पैसे के लिए मोहताज होगा क्या? होगा? नहीं होगा। इसका मतलब अभी हम ऐसे ब्राह्मण नहीं बने हैं कि जो इच्छा करे ओ मन माहि हरि प्रसाद कछु दुर्लभ नाहि। देवताओं को ऐसा कोई भी अप्राप्ति का संकल्प नहीं आता। जो चीज़ उनको अप्राप्त हो जाए। सब कुछ प्राप्त रहता है।

Email id: a1spiritual@sify.com
Website: www.pbks.info

Time: 15.32-17.37
Student: Baba, when I was in the basic [knowledge], I had heard in a murli that there is nothing lacking in the treasury of Brahmins.
Baba: It is correct.
Student: What does it mean?
Baba: It means that if a Brahmin lives as a firm Brahmin, if he follows the *shrimat* 100%, then should the child of *heavenly* God the Father be in heaven or in hell? (Everyone said: in heaven.) It means that if he lacks something, if he experiences [any shortcoming], then has he become the Father's child? He hasn't. He violates the *shrimat*. If someone is a child of a millionaire, a billionaire, will he cry for every *paisa*[1]? Will he? He will not. It means that we have not become such Brahmins that "*Jo iccha kare ho man maahi, Hari prasaad kacu durlabh naahi*[2]" Deities do not have any thought of any shortcoming that they would lack something. They have everything.

वो तब बनेंगे जब पूरी-पूरी श्रीमत पर चलेंगे। और पूरी-पूरी श्रीमत पर तब ही चलेंगे जब पक्का निश्चय और विश्वास बैठा होगा कि बाप आया हुआ है और बाप से ही हमको जन्म-जन्मान्तर की सब प्रकार की प्राप्ति होनी है। और कोई भी मनुष्य मात्र से प्राप्ति नहीं होने वाली है। सब धोखेबाज़ हैं। जब टाइम आएगा तो सब अपनी-अपनी ले करके भाग खड़े होंगे। भगवान ही एक सहारा रहेगा।

You will become that when you follow the *shrimat* completely. And you will follow the *shrimat* completely when you have a firm faith and confidence that the Father has come and we are going to achieve all kinds of attainments for many births from the Father Himself. We are not going to achieve [anything] from any human being. Everyone is a cheat (*dhokheybaaz*). When the time comes, everyone will run away with their belongings. God will be the only support.

समयः 17.43-20.22
जिज्ञासुः बाबा, ये कुन्ती पुत्र, जिसको दासी पुत्र भी कहा गया है कर्ण को, तो वो कर्ण जो है, पाण्डु पुत्र होते हुए कौरवों का साथ दिया उसने। तो उसकी वजह क्या है बाबा किस धर्म से उसको कनेक्शन समझें?
बाबाः पाण्डवों से कनेक्शन था या उसका सूर्य से कनेक्शन था? वास्तव में वो पण्डा पाण्डु पुत्र था या सूर्य पुत्र था? (किसी ने कहा – सूर्य पुत्र) फिर? वो तो निराकार का पुत्र था। साकार का पुत्र कहाँ था ?

[1] Fraction of a rupee, now worth nothing.
[2] Whatever we wish in our mind, it is achievable with the blessings of God.

Email id: a1spiritual@sify.com
Website: www.pbks.info

Time: 17.45-20.22
Student: Baba, Karna, the son of Kunti, who was also called the son of a maid (*dasi-putra*), sided with the Kauravas despite being the son of Pandu. So, what is its reason Baba? With which religion is he connected?
Baba: Did he have connection with the Pandavas or with the Sun? Was he in reality the son of Pandu, the *panda* (guide) or the son of the Sun? (Someone said: He was the son of the Sun.) Then? He was the son of the incorporeal one. He was not the son of the corporeal one.

कर्ण। नाम कर्ण क्यों रखा गया? आँख नाम क्यों नहीं रख दिया? कर्ण नाम इसीलिए रखा, कान क्या काम करता है? (सबने कहा – सुनने का।) सुनता है। सुनने वालों में नंबरवन कौन है? ब्रह्मा। सबसे पहले किसके कान सुनते हैं? ब्रह्मा के कान सुनते हैं। ब्रह्मा वाली आत्मा अभी कौरव सम्प्रदाय में पार्ट बजाय रही है या पाण्डव सम्प्रदाय में पार्ट बजाय रही है? (सबने कहा – कौरव सम्प्रदाय।) वो निराकार को याद करने वाली है या कोई साकार भगवान गीता का है जिसको याद करती है? (सबने कहा – निराकार।) तो सूर्य पुत्र है या पाण्डु पुत्र है? (सबने कहा – सूर्य पुत्र।) वो निराकार (का) पुत्र है। दासी पुत्र है। माया क्या हो गई? माया दासी है। यज्ञ के आदि में भी माया दासी थी। जब नई दुनियां बनेगी तो भी माया दासी बन करके रहेगी। दानी बहुत था। ब्रह्मा बाबा से ज्यादा कोई ब्राह्मण बच्चा दानी बना है? (सबने कहा – नहीं।) नहीं बना है। दानवीर कर्ण कहा जाता है। धीरे-धीरे करके सारे पार्ट बाबा से ही खुलवा लोगे। ☺

Karna. Why was he named Karna (ear)? Why he was not named eyes? He was named Karna because what does the ear do? (Everyone said: listening.) It listens; who is No.1 among the listeners? Brahma. Whose ears listen first of all? Brahma's ears listen [first]. Is the soul of Brahma Baba playing a part in the Kaurava community or in the Pandava community at present? (Everyone said: Kaurava community.) Does it remember the incorporeal one or is there any corporeal God of the Gita whom he remembers? (Everyone said: incorporeal.) So, is he the son of the Sun or the son of Pandu? (Everyone said: Son of the Sun.) He is the son of the incorporeal one. He is the son of a maid. What is Maya? Maya is a maid. Even in the beginning of the *yagya* Maya was a maid. Even when the new world is established, Maya will remain a maid. He was a great philanthropist (*daani*). Has any Brahmin child become greater philanthropist than Brahma Baba? (Everyone said: No.) Nobody has become. Karna is said to be the greatest philanthropist (*daanveer*). You will make Baba himself to reveal all the parts gradually. ☺

Email id: a1spiritual@sify.com
Website: www.pbks.info

समयः 20.23-21.45

जिज्ञासुः बाबा, सभी मनुष्यात्माओं का मन चलायमान होता है। एक शिवबाबा है जिनका मन कभी चलायमान नहीं होता है। तो सबका मन चलायमान न हो इसकी क्या दवा है बाबा जो हरेक आत्मा के लिए सार्थक हो?

बाबाः आत्मा बन जाओ। मन बड़ा या बुद्धि बड़ी? बुद्धि बड़ी। शिवबाबा बुद्धिमानों की बुद्धि है या मन वालों का मन है? (सबने कहा – बुद्धिमानों की बुद्धि।) बुद्धिमानों की बुद्धि है। तो बुद्धिमान बाप के बच्चे बनें हम या मन रूपी ब्रह्मा घोड़ा के बच्चे बनें? किसके बच्चे बनें? बुद्धिमान बाप के बच्चे बनें, आत्मा बनें। शिवबाबा सदैव अमन है। अमन चैन में रहने वाला है। और हम सदैव अमन चैन में रहने वाले हैं कि बेचैन हो जाते हैं? क्यों बेचैन हो जाते हैं? क्योंकि मन के कंट्रोल में आ जाते हैं। अपन को आत्मा सदैव नहीं समझते। ये आत्मा तीसरा नेत्र बुद्धि है।

Time: 20.23-21.45

Student: The mind of all the human souls is inconstant. It is Shivbaba's mind alone which does not become inconstant, then what is the way to prevent everyone's mind from becoming inconstant which proves useful for every soul?

Baba: Become a soul. Is the mind greater or the intellect greater? The intellect is greater. Is Shivbaba the intellect of the intelligent ones or is He the mind of those who have minds? (Everyone said: He is the intellect of the intelligent ones.) He is the intellect of the intelligent ones. So, should we become the children of the intelligent Father or should we become the children of the horse, the mind like Brahma? Whose children should we become? We should become the children of the intelligent Father. We should become souls. Shivbaba is always *aman* (peaceful). He is always contented. Do we always remain contented or do we become troubled (*bechain*)? Why do we become troubled? It is because we come under the control of the mind. We do not consider ourselves to be a soul always. This soul is the third eye, [i.e.] the intellect.

समयः 21.52-24.50

जिज्ञासुः देवी के पुजारी रावण संप्रदाय हैं। वो कैसे बाबा?

बाबाः अरे? देवी और देवता – देवी और देवता। भगवान देवता के द्वारा प्रत्यक्ष होता है या देवी के द्वारा प्रत्यक्ष होता है? (किसीने कहा – देवता ।) क्यों? कारण क्या? अरे अभी इसी बहन ने ही पूछा था। कन्याओं-माताओं में देहभान ज्यादा रहता है। देह का ओना बहुत। खत्म ही नहीं होता। तो आत्मा का पुरुषार्थ करने में पीछे रह जाती हैं और पुरुष? पुरुषों में, जो अव्वल नंबर है वो आगे बढ़ जाता है। इसलिए देवता में भगवान आते हैं। जो पहले जन्म से लेकरके आखरी जन्म तक आत्मिक स्थिति में स्थित रहने का जिसमें माद्दा है। आत्मा में ही परमात्मा बाप आते हैं। एक ही आत्मा का गायन है आत्मा सो?

Email id: a1spiritual@sify.com
Website: www.pbks.info

परमात्मा। बाकी तो सब देहभानी सांढ़ा बन जाते हैं। उनमें अव्वल नंबर कौन है? जिसके पावन बनने से सारी दुनियां पावन बनेगी?

Time: 21.52-24.50
Student: The worshippers of *devis* (female deities) belong to Ravan's community. How is that Baba?
Baba: *Arey*! *Devi* and *devata* – female and male deity. Is God revealed through a male deity or a female deity? (Someone said: through a male deity.) Why? What is the reason? *Arey*, just now this very sister had asked [a question]. Virgins and mothers have more body consciousness. They are very conscious of their body (Baba is showing with gestures☺), it does not end at all. So, they lag behind in making *purusharth* for the soul. And what about men? The one who is No.1 among the men gallops ahead. This is why God comes in a male deity, the one who has the capacity of remaining constant in a soul conscious stage from the first birth to the last birth. The Supreme Soul Father comes only in a soul. It is famous only about one soul that a soul is equal to the Supreme Soul (*aatma so Paramaatma*). The rest become body conscious bulls. Who is No.1 among them that when he becomes pure the entire world will become pure?

अरे एक तो है ही आत्मा। उसको खास परिवर्तन करने की जरूरत नहीं पड़ती है। खास परिवर्तन करने की किसको जरुरत पड़ती है? दिल्ली। दिल्ली परिस्तान भी बनती है, दिल्ली कब्रिस्तान भी बनती है। दिल्ली के ऊपर इतनी जिम्मेवारी है। क्या? दिल्ली का परिवर्तन? सारे भारत का परिवर्तन। दिल्ली का सुधार, सारे भारत का सुधार। सारी दुनियां का सुधार हो जाता है। एक के पतित बनने से सब पतित बन जाते हैं और एक के पावन बनने से सब पावन बन जाते हैं। बाकी ऐसे नहीं है कि प्रजापिता पावन बन जावेगा तो सब पावन बन जावेंगे। अरे उसमें तो बाप ही बैठा हुआ है। उसको पतित देखने की क्या जरुरत है? इसलिए बोला कि जिनकी बुद्धि देवी की तरफ जाती है इससे साबित होता है मुकर्रर रथ की तरफ बुद्धि नहीं जाती है।

Arey, one is already a soul. There is no need to transform him especially. Who is required to be transformed especially? Delhi. Delhi becomes *paristaan* (land of fairies /heaven) as well as *kabristan* (a graveyard). Delhi carries such a big responsibility on its shoulders. What? Delhi's transformation is the transformation of the entire India. Delhi's reform means the reform of the entire India, the reform of the entire world takes place. When one becomes sinful, everyone becomes sinful and when one becomes pure, everyone becomes pure. As for the rest it is not that everyone will become pure when Prajapita becomes pure. *Arey*, the Father Himself is sitting in him. What is the need to see him as a sinful one? This is why it was said: those whose intellect is inclined towards the *devi* (female deity), then it proves that the intellect is not inclined towards the permanent chariot (*mukarrar rath*). ... (to be continued.)

Email id: a1spiritual@sify.com
Website: www.pbks.info

Extracts-Part-4

समयः 27.00-30.53

जिज्ञासुः बाबा, संगमयुग में 84 जन्म स्त्री और पुरुष का कैसे होता है?

बाबाः 84 जन्म स्त्री और पुरुष कैसे होता है? कैसे का क्या सवाल? अरे वो तो आधा जन्म स्त्री के आधा जन्म पुरुष के होते ही होते हैं। सतयुग त्रेता में तो बराबर-बराबर रहता है क्योंकि वहाँ बैलेन्स बिगड़ता नहीं। द्वापर-कलियुग में देहभान का बैलेंस बिगड़ जाता है। स्त्री पुरुष की याद में शरीर छोड़ती है तो पुरुष का चोला मिलता है। पुरुष काम विकार प्रधान होने की वजह से स्त्री को याद करता है सारा जीवन। तो अन्त समय में स्त्री याद आ जाती है। अन्त मते सो गते हो जाती है। हाँ, कोई कोई आत्मा ऐसी भी होती है जो दो जन्म लगातार स्त्री के अथवा दो जन्म लगातार पुरुष के भी लेती है। जिनमें पुरुषवृत्ति ज्यादा होती है वो दो जन्म पुरुष के भी ले सकते हैं। जिनमें स्त्री वृत्ति ज्यादा होती है वो दो जन्म स्त्री के भी लगातार ले सकते हैं।

Time: 27.00-30.53

Student: How does [the shooting] of male and female births in the 84 births in the Confluence Age?

Baba: How are we born as a female and a male in 84 births? What do you mean by saying 'how'? *Arey*, you anyway have half the births as a male and half the births as a female. In the Golden and Silver Ages it is equal because the *balance* is not disturbed there. The *balance* of body consciousness is disturbed in the Copper and Iron Age. A woman leaves her body in the remembrance of a man, so she gets a male body. Due to the dominance of lust, a man remembers a woman throughout his life. So, a woman comes to his mind in the end. As are his thoughts in the end, so is his final destination. Yes, there are some souls like this also who get two consecutive births as a female or two consecutive births as a male. Those who have more masculine nature can get two consecutive births as a male too. Those who have more feminine nature can get two consecutive births as a female too.

अब बताओ लक्ष्मी और नारायण, नारायण पुरुष वृत्ति का ज्यादा होगा या लक्ष्मी पुरुष वृत्ति की ज्यादा होगी? नारायण पुरुष वृत्ति का होता है। इसलिए द्वापरयुग के आदि से लेकर दो-दो जन्म नारायण के, एक जन्म स्त्री का। और नारायणी के? (किसी ने कहा – दो-दो जन्म स्त्री के।) दो-दो जन्म स्त्री के होते जावेंगे और एक जन्म पुरुष का होगा। तो दुनियां में सबसे जास्ती कम जन्म पुरुष के किसके होंगे? नारायणी के होंगे या जगदम्बा को होंगे? नारायणी ही के क्यों होंगे? नारायणी भी स्त्री चोला और जगदम्बा भी स्त्री चोला संगमयुग में। तो जगदम्बा के स्त्री चोले ज्यादा क्यों नहीं होंगे? (किसी ने कहा – रुद्रमाला।) क्योंकि रुद्रमाला का मणका है। जन्म-जन्मान्तर राजाई के संस्कार हैं। राजाएं

Email id: a1spiritual@sify.com
Website: www.pbks.info

ज्यादा विकारी बने हैं। कामी और क्रोधी ज्यादा राजाएं होते हैं। पुरुष वृत्ति राजाओं में ज्यादा होती है। पार्वती का पार्टधारी विकारी वृत्ति का नहीं होगा। इसलिए स्त्री चोला ज्यादा मिलेगा। ज्यादा पापकर्म स्त्री चोले में किए जाते हैं या पुरुष चोले में किये जाते हैं? (किसी ने कहा – पुरुष चोले में।) पुरुष चोले में पाप कर्म ज्यादा होते हैं और स्त्री चोले में पाप कर्म कम होते हैं। इसलिए दुनियां की सबसे कम पाप करने वाली आत्मा कौन है? (किसी ने कहा – पार्वती।) पार्वती। खुद भी पार लगती है और औरों को भी पार लगाने के निमित्त बनती है।

Well, tell [Me], [among] Lakshmi and Narayan, will Narayan have more masculine nature (*purush vritti*) or will Lakshmi have more masculine nature? Narayan has a masculine nature. This is why from the beginning of the Copper Age he gets two consecutive births as Narayan (i.e. male) and one birth as a female. And what about Narayani? (Someone said: two consecutive births as female.) She will get two consecutive births as a female and one birth as a male. So, who will get the least number of births as a male? Narayani. Or of Jagadamba? Why Narayani will [have least number of male births]? Narayani is also in a female body and Jagdamba is also in a female body in the Confluence Age. So, why will Jagdamba not get more births as a female? (Someone said: She belongs to *Rudramala.*) It is because she is a bead of the *Rudramala*. She has the *sanskars* of kingship for many births. Kings have become more vicious. Kings are more lustful and wrathful. Kings have more masculine nature. The actor playing the role of Parvati will not have a vicious nature. This is why she will get more female births. Are more sinful actions performed through a female body or through a male body? (Someone said: Through a male body.) More sinful actions are committed through a male body and fewer sins are committed through a female body. This is why which soul commits the least sins in the world? (Someone said: Parvati.) Parvati. She sails across herself and becomes an instrument in taking others across too.

जिज्ञासुः बाबा, लक्ष्मी को ही पार्वती कहते हैं?
बाबाः लक्ष्मी को ही पार्वती कहा जाएगा।
जिज्ञासुः संगम में?
बाबाः हाँ, और किसको कहा जाएगा?

Student: Baba, is Lakshmi herself called Parvati?
Baba: Lakshmi herself will be called Parvati.
Student: In the Confluence Age?
Baba: Yes; who else will be called [Parvati]?

समयः 31.52-32.31
जिज्ञासुः बाबा, आज की मुरली में कहा है कि कदम-कदम पर पदम भरते हैं। तो इसका अर्थ क्या है?

Email id: a1spiritual@sify.com
Website: www.pbks.info

बाबाः पदम कहा जाता है कमल को। कमल फूल जैसे सब फूलों का राजा होता है ऐसे तुम जो काम श्रीमत के अनुकूल करने के लिए कदम बढ़ाते हो उसमें तुम जैसे राजा बनते जाते हो। अगर जन्म-जन्मान्तर का राजा बनना है तो कदम-कदम पर श्रीमत के कदम बढ़ाते रहो। तो हर कदम में तुम्हारी पद्मों की कमाई होती रहेगी।

Time: 31.52-32.31
Student: Baba, it was said in today's murli, we accumulate *padam* in every *kadam* (step). So, what does it mean?
Baba: The Lotus is called *padam*. Just as the Lotus flower is the king of all flowers; similarly, the steps that you take to perform tasks in accordance with *shrimat* enable you to become kings. If you wish to become kings for many births, then go on placing every step in accordance with *shrimat*. Then you will go on earning multimillions (*padam*) in every step (*kadam*).

समयः 34.30-35.03
जिज्ञासुः भारत में भगवान आते हैं। वो बन्दरों की सेना लेते हैं। क्यों?
बाबाः भारत में ही ज्यादा पतित होते हैं कि विदेशों में ज्यादा पतित हैं? विदेशी धर्म वाले न ज्यादा पतित बनते हैं न ज्यादा पावन बनते हैं। तो भगवान को ज्यादा पतित चाहिए या थोड़े बहुत पतितों से काम चल जाएगा? अरे? ज्यादा पतित चाहिए। कहाँ मिलेंगे? भारत में ही मिलेंगे। तो भारत में ही बन्दरों का मिसाल दिया गया है।

Time: 34.30-35.03
Student: God comes in India. He takes an army of monkeys. Why?
Baba: Are there more sinful people only in India or in the foreign countries? People belonging to foreign religions do not become either more sinful or more pure. So, does God need more sinful people or will He manage with lesser sinful people? *Arey*? He needs more sinful people. Where will He get them? He will get them only in India. So, the example of monkeys has been given only in India.

समयः 35.05-35.48
जिज्ञासुः बाबा, वहाँ सतयुग में बच्चों को खेलने का साधन क्या रहेगा?
बाबाः अरे, ड्रामाबाजी करो, संगीत विद्या होती है, वाद्य यंत्र होते हैं। गेंद बल्ला तो हर जगह मिल जाता है।

बाबाः बांसुरी तो हर जगह मिल जाएगी। डांस होता है। तो आज की दुनिया में बड़े-बड़े ऑफीसर्स क्या चाहते हैं? ऑफिस में बैठना पसन्द करते हैं या क्लबों में डांस करना पसन्द करते हैं? क्या करते हैं? तो जो चाहते हैं आज की दुनियां वो ही वहाँ होगा।

Email id: a1spiritual@sify.com
Website: www.pbks.info

Time: 35.05-35.48
Student: Baba, what means will be available for the children to play in the Golden Age?
Baba: *Arey*, you can enact dramas; there is the art of music (*sangeet vidya*); there are musical instruments (*vaadya yantra*). You can find a bat and a ball everywhere. You will find a flute everywhere. There is *dance*. So, what do the big officers in the world want today? Do they like to sit in the office or do they like to dance in the clubs? What do they do? So, whatever they like in this world will happen there.

समयः 36.45-37.28
जिज्ञासुः श्रेष्ठ वो आत्मा है जो ब्राह्मण परिवार की जिम्मेवारी उठाती है या वो आत्मा श्रेष्ठ होती है जो स्व का पुरुषार्थ, स्व की उन्नति देखती है और स्व का देखते हैं?
बाबाः जो स्व का परिवर्तन करेगा वो परिवार का भी परिवर्तन करेगा। जो स्व की आत्मा का ही परिवर्तन नहीं कर पाएगा, वो पूरे परिवार और सारे विश्व की जिम्मेवारी कैसे उठा लेगा? स्व परिवर्तन से विश्व परिवर्तन होता है। परिवार के परिवर्तन की तो बात ही छोड़ो। स्व परिवर्तन किया माना सारे विश्व का परिवर्तन कर दिया।

Time: 36.45-37.28
Student: Is the soul which takes up the responsibility of the Brahmin family more elevated or is the soul which pays attention to its own *purusharth*, his own progress and himself more elevated?
Baba: The one who transforms the self will transform the family as well. How will the one who is unable to transform the self take up the responsibility of the entire family and the entire world? Self transformation leads to world transformation. Leave alone the topic of the transformation of the family. If you transform the self, it means that you have transformed the entire world. …. (to be continued.)

Extracts-Part-5

समयः 37.30-39.40
जिज्ञासुः कोई भी निर्णय मन से लेना चाहिए या बुद्धि से लेना चाहिए?
बाबाः निर्णय, फैसला करने की ताकत बुद्धि में होती है या मन में होती है? ब्रह्मा फैसला कर सका या शंकर फैसला करता है नई दुनियां कैसे बनेगी, कैसे नहीं बनेगी? तीन मूर्तियाँ हैं शिव की। फैसला कौन करता है? क्या राइट है क्या रांग है? तीसरी मूर्ति, पहली मूर्ति या दूसरी मूर्ति? पहली मूर्ति ब्रह्मा। दूसरी मूर्ति शंकर। तीसरी मूर्ति विष्णु। तो जब तक बुद्धि से फैसला ही नहीं किया जाएगा तब तक प्रैक्टिकल कर्म कैसे करेंगे? ब्रह्मा तो जैसे बच्चा है। शिवबाबा ब्रह्मा को बेबी कहते हैं। क्यों? क्योंकि बच्चा कोई भी फैसला नहीं कर पाता है। बच्चे को जन्म देने वाला है बाप। यज्ञ के आदि में भी ब्रह्मा को ब्रह्मा के रूप में, बच्चे के रूप में, कृष्ण आत्मा के रूप में अनुभव करने के लिए, पक्का करने

Email id: a1spiritual@sify.com
Website: www.pbks.info

के लिए जन्म दिया बाप ने, साक्षात्कारों का अर्थ बताकर। बच्चा बच्चा ही बुद्धि रहता है। बाप बाप की बुद्धि होता है। बाप फैसला करता है राइट और रांग का। तो शंकर को तीसरा नेत्र बुद्धि का दिखाया जाता है। ब्रह्मा तो मन रूपी घोड़ा है। घोड़ा कहो, बैल कहो, बात एक ही हो गई।

Time: 37.30-39.40
Student: Should we take any decision through the mind or through the intellect?
Baba: Does the intellect have the power to make a judgment, to decide or does the mind have this power? Could Brahma decide? Or does Shankar decide that how the new world will be established and how the new world will not be established? There are three personalities of Shiva. Who makes the decision: what is right and what is wrong? Is it the third personality, the first personality or the second personality? The first personality is Brahma, the second personality is Shankar [and] the third personality is Vishnu. So, unless the decision is taken through the intellect how will you perform practical actions? Brahma is like a child. Shivbaba calls Brahma a *baby*. Why? It is because a child cannot take any decision. A father gives birth to the child. Even in the beginning of the *yagya* the Father gave birth by narrating the meanings of the visions to Brahma in order to enable him to realize, to make it firm that he is Brahma, a child, the soul of Krishna.
A child always has a child like intellect. The father has a father like intellect. The father decides about [what is] right and [what is] wrong. So, Shankar is shown to have the third eye of the intellect. Brahma is a horse like mind. Call him a horse or an ox; it is one and the same.

समयः 41.25-43.00
जिज्ञासुः बाबा, नई दुनियां का जो संगठन बना है क्या वहाँ भी माया आती है बाबा?
बाबाः नई दुनियां का संगठन अभी नई दुनियां नहीं बन गया है। नई दुनियां का फाउन्डेशन है। फाउन्डेशन जमीन के अन्दर गुप्त होता है। जब पहली मंज़िल बन जाती है तब प्रत्यक्ष होता है। वो अभी गुप्त है। माया हर जगह आती है। मधुबन में नहीं आती है? माया बाप के घर में आती है या नहीं आती है? आती है। तो जो फाउन्डेशन है नई दुनियां का वहाँ भी माया आवेगी। जब नए मकान का फाउन्डेशन डाला जाता है उसमें चैतन्य ईंट, पत्थर, मिट्टी, ईंटें डाली जाएगी और ऊपर से माया का दुरमुठ बजता है तो सारी की सारी ईंट पत्थर एक ही जगह जाम हो जाएंगे, कुछ बिखर के, टूट के इधर-उधर भी भागेंगे? इधर-उधर भी भाग जाते हैं। ऐसा नहीं है कि अभी नई दुनियां बन गई है। बन नहीं गई है। नई दुनियां का फाउन्डेशन है, जो बापदादा ने बच्चों को दे दिया है। बढ़िया से बढ़िया फाउन्डेशन लगाएं।

Email id: a1spiritual@sify.com
Website: www.pbks.info

Time: 41.25-43.00
Student: Baba, does Maya enter the gathering of new world that has been established?
Baba: The gathering of the new world has not yet become a new world. It is the foundation of the new world. Foundation remains hidden underground. When the first floor is built then it is revealed. That is now hidden. Maya comes everywhere. Does she not come to Madhuban? Does Maya come to the Father's home or not? She comes. So, Maya will come to the foundation of the new world as well. When the foundation for a new house is laid, living bricks, stones, mud and bricks are added to it and the *durmuth* (a pounding implement/rammer) of Maya is beaten on it. Then will all the bricks and stones settle in one place or will some of them break and scatter as well? They scatter as well. So, it is not that the new world has been established now. It has not been established. It is the foundation of the new world which Bapdada has given to the children, so that they may lay the best foundation.

समयः 49.10-49.45

जिज्ञासुः बाबा, ब्रह्मपुत्रा तो रुद्रमाला का मणका है ना।

बाबाः जो ऊँची-उँची स्टेज में बहती है, कभी नीचे नहीं आती वो पार्टधारी कौन है जो पतित स्टेज में नहीं आता?

जिज्ञासुः लक्ष्मी।

बाबाः बस।

जिज्ञासुः पुत्रा नाम क्यों दिया है?

बाबाः पुत्रा नाम इसलिए दिया है कि जो पुरुषों को पुरुषार्थ करना चाहिए ऊँची स्टेज का वो पुरुषार्थ उसने करके दिखाया नारी चोले में।

Time: 49.10-49.45
Student: Baba, Brahmaputra is a bead of the *Rudramala*, isn't she?
Baba: The one who flows in a high stage and never comes down, who is the actor who does not come in a sinful stage?
Student: Lakshmi
Baba: That's it.
Student: Why was she named *putra* (son)?
Baba: She has been named *putra* because she made such *purusharth* of a high stage through a female body, which men are supposed to make.

समयः 51.00-52.48

जिज्ञासुः बाबा सतयुग में सब पावन होते हैं, देवी-देवता होते हैं। लेकिन फिर ऐसा बोला है – मुर्दे जलाने वाले होंगे। ये कहाँ का मिसाल है?

बाबाः ये यहाँ संगमयुग की बात है। संगमयुग में विनाश करने वाले भी चाहिए। किनका विनाश होगा? मुर्दों का विनाश होगा या चैतन्य आत्माओं का विनाश होगा? (किसी ने

Email id: a1spiritual@sify.com
Website: www.pbks.info

कहा – मुर्दों का।) मुर्दों का, जो ज्ञान में मुर्दे बने पड़े हैं। ज्ञान लेते भी जाते हैं और कोई फैसला बुद्धि नहीं कर पाती है क्या करना है, क्या नहीं करना? जहाँ के तहाँ धरे रहते हैं।

Time: 51.00-52.48
Student: Baba, everyone is a pure, a deity in the Golden Age. But it has also been said: there will be people who cremate the dead bodies. It is an example of which time?
Baba: It is about the Confluence Age here. Destroyers are also required in the Confluence Age. Who will be destroyed? Will the dead bodies be destroyed or will the living souls be destroyed? (Someone said: The dead bodies.) The dead bodies, those who are living like corpses in knowledge. They go on obtaining knowledge but their intellect is unable to decide what they should do and what they shouldn't. They remain wherever they are.

जिज्ञासुः और दास-दासी?
बाबाः दास-दासी भी वहीं की बात है। सतयुग में तो प्रकृति दासी होगी। वहाँ प्रकृति दासी होगी या मनुष्य दास-दासी होंगे? प्रकृति दासी होगी। वहाँ आत्मा-आत्मा भाई-भाई की स्टेज होगी, ऊँच नीच होंगे या यहाँ की बात है संगमयुग की? संगमयुग में इन्हीं आँखों से देखने में आवेगा। कौन-कौन ने दास-दासी का पुरुषार्थ किया है? कौन-कौन ने चाँडाल का पुरुषार्थ किया है? कौन-कौन मुर्दे का पुरुषार्थी है? देहभान की मिट्टी में गढ़े हुए हैं? जैसे कि मुर्दे बन पड़े हैं? सत्तर साल हो गये बाबा को आये हुए। ज्ञान सुनते-सुनते सत्तर साल हो गए। जहाँ का तहाँ खड़े हुए हैं। ठहरती कला बनी पड़ी है। कोई ज्ञान का पॉइंट बुद्धि में धंसता ही नहीं।

Student: And what about the maids and servants?
Baba: The subject of maids and servants also pertains to the same time. In the Golden Age nature will be the maid. Will nature be the maid or will human beings be maids and servants there? Nature will be a maid. Will there be the stage of brotherhood among the souls, will there be high and low [positions] or is it the subject of this time, the Confluence Age? This will be seen through these very eyes in the Confluence Age: who have made the *purusharth* to become maids and servants? Who have made the *purusharth* to become *caandaals* (those who cremate dead bodies)? Who have made the *purusharth* to become dead bodies, who are buried in the mud of body consciousness? It is as if they have become corpses. Seventy years have passed since Baba has come. Seventy years have passed since listening to the knowledge. They are standing where they were. The stage is stagnant. No point of knowledge sits into the intellect at all.

समयः 52.51-53.40
जिज्ञासुः यह पढ़ाई बाबा कहते हैं अंत तक पढ़नी है। तो 2036 तक क्या शिवबाबा पढ़ाते ही रहेंगे?

Email id: a1spiritual@sify.com
Website: www.pbks.info

बाबाः सारी दुनियां को पढ़ाई पढ़नी पड़ेगी या सिर्फ देवात्मा ही पढ़ाई पढ़ने के लिए है? (किसीने कहा-सारी दुनिया।) आत्मा, हम आत्मा हैं – ये पढ़ाई सारी दुनियां को पढ़नी है या सिर्फ देवात्माओं को ही पढ़नी है? पढ़ने वाले बहुत होते हैं कि पास होने वाले बहुत होते हैं या पास विद ऑनर होने वाले बहुत होते हैं? (सबने कहा – पढ़ने वाले।) पढ़ने वाले तो बहुत होते हैं ढ़ेर के ढ़ेर। कोई तो कक्षा एक में ही फेल हो करके बैठ जाते हैं।

Time: 52.51-53.40
Student: Baba says, we have to study this knowledge till the end. So, will Shivbaba continue to teach till the 2036?
Baba: Will the entire world have to study the knowledge or will only the deity souls study the knowledge? (Someone said: the entire world.) We are souls – will the entire world study this knowledge or will only the deity souls study it? Is the number of students more, is the number of those who pass more or is the number of those who pass with honor more? (Everyone said: the number of students.) Students are numerous. Some fail in class one itself.

समयः 59.35-01.01.50
जिज्ञासुः रुद्रमाला विजयमाला से मिलेगी या विजयमाला रुद्रमाला से मिलेगी?
बाबाः जो पावरफुल होता है वो अपनी जगह पर अटल रहता है या जो कमजोर होता है वो अपनी जगह पर अटल रहता है? (सबने कहा – पावरफुल।) पावरफुल होता है, जिसमें ज्यादा दम-डकार होती है वो अपनी जगह पे स्थिर होकरके रहता है। हिलना डुलना किसको पड़ता है? जो कमज़ोर होता है। एक जगह चुम्बक रखी हुई है पत्थर, और एक जगह नज़दीक में सामान्य लोहा रखा हुआ है। कौन हिलेगा? चुम्बक पत्थर अगर भारी है साधारण लोहे के मुकाबले तो लोहे को ही झुकना पड़ेगा, हटना पड़ेगा। इसलिए रुद्रमाला के मणके प्योरिटी में कमज़ोर हैं, सच्चाई तो है लेकिन सच्चाई होने के बावजूद भी जन्म-जन्मान्तर के संस्कार इम्प्योरिटी के हैं। तो अव्यभिचारी वृत्ति को पकड़ना पड़ेगा, जब बुद्धि में बात बैठ गई कि मूल हमारा साथी कौन है 21 जन्म का तो बुद्धि एक की तरफ जानी चाहिए या अनेकों तरफ जानी चाहिए? एक की तरफ जानी चाहिए। तो माता का प्रश्न ये है – अंत में रुद्रमाला के मणके विजयमाला में जाकरके मिलेंगे या विजयमाला के मणके रुद्र माला के पास जाएंगे मिलने के लिए? किसको हिलना पड़ेगा?
जिज्ञासुः रूद्रमाला को।
बाबाः दुनियां के सारे काम प्योरिटी से होते हैं। ☺

Email id: a1spiritual@sify.com
Website: www.pbks.info

Time: 59.35-01.01.50
Student: Will the *Rudramala* join the *Vijaymala* or will the *Vijaymala* join the *Rudramala*?
Baba: Does a powerful person remain constant at his place or does a weak person remain constant at his place? (Everyone said: the powerful one.) The one who is powerful, the one who has might remains constant at his place. Who has to shake? The one who is weak. Suppose a stone of magnet is placed somewhere and an ordinary iron is placed close to it. Which of these will shake? If the stone of magnet is heavy when compared to the ordinary iron, then the iron will have to bow, give way. This is why the beads of the *Rudramala* are weak in purity; they do have truthfulness, but despite having truthfulness, they have *sanskars* of impurity for many births. So, they will have to inculcate an unadulterated attitude. When it has sat in the intellect, who our original companion for 21 births is, then should the intellect be inclined towards one or towards many? It should be inclined towards one. So, the question said by the mother is: will the beads of *Rudramala* join the *Vijaymala* or will the beads of the *Vijamala* go to join the *Rudramala*? Who will have to move?
Student: *Rudramala.*
Baba: All the tasks of the world are performed through purity. ☺ ... (continued in discussion no.577).

Email id: a1spiritual@sify.com
Website: www.pbks.info